अमर उजाला

बरेली
मंगलवार, 31 अक्तूबर 2023
कार्तिक कृष्ण तृतीया
विक्रम संवत 2080

PAGE NO, 04, MIDDLE LEFT

मंचन : स्टेडियम रोड स्थित रिद्धिमा में नाटक का मंचन शाम 4 बजे से।

PAGE NO, 10, MIDDLE

नफरत की जंग में हुई मोहब्बत की जीत

रिद्धिमा सभागार में नाटक का मंचन करते कलाकार। स्रोत : एसआरएमएस

बरेली। रिद्धिमा सभागार में चल रहे थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष में सोमवार को देहरादून के एकलव्य थियेटर के कलाकारों ने ''यहूदी की लड़की'' नाटक का मंचन किया। आगा हश्र कश्मीरी कृत व अखिलेश नारायण निर्देशित यह नाटक भारतीय रंगमंच में पारसी शैली का सुविख्यात नाटक है।

इसकी कथावस्तु एक यहूदी लड़की राहिल की है। वह मारकस से प्रेम करती है, लेकिन रोमन शहजादा होने के नाते मारकस उसे धोखा देता है। रोमन और यहूदी एक-दूसरे से नफरत करते हैं। वह राहिल को चाहता तो है, लेकिन उसके लिए अपना धर्म बदलने से लाचार है। मारकस राहिल को छोड़कर शहजादी डैसिया से शादी करने के लिए तैयार होता है। राहिल बादशाह से इंसाफ मांगती है।

बादशाह शहजादे को कठघरे में खड़ा कर इंसाफ को अहमियत देते हैं। अंत में डैसिया, राहिल की शादी मारकस से करवा देती है। मंचन का शुभारंभ मुख्य अतिथि खानकाह-ए-नियाजिया के प्रबंधक शब्बू मियां ने एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक देवमूर्ति, सुभाष मेहरा और डॉ. अनुज कुमार के साथ किया। इस दौरान ट्रस्टी आशा मूर्ति, ऊषा गुप्ता, डॉ. रजनी अग्रवाल मौजूद रहीं। संवाद